कटा हुआ होंठ और तालू

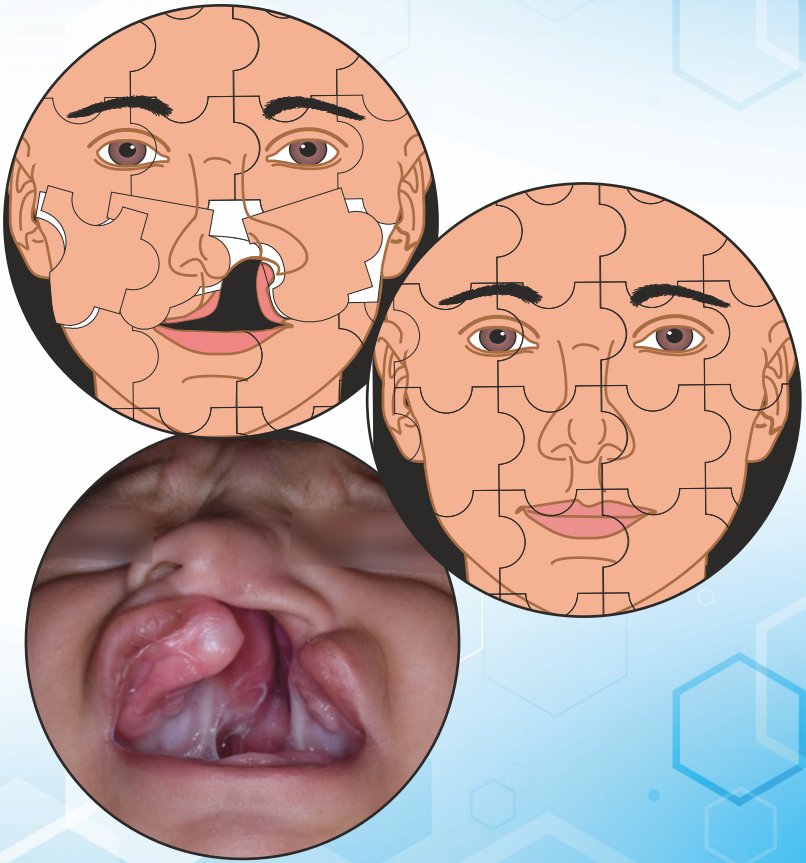

कटा हुआ होंठ और तालू

प्रथम हिंदी संस्करण 2019
© डॉ. ओम प्रकाश खरबंदा

अस्वीकरण

चिकित्सा, सूचना, तकनीक और अवधारणाओं में निरंतर बदलाव होता है। यह पुस्तिका इलाज के मूल सिद्धांत प्रदान करती है। इलाज की प्रक्रिया हर मरीज़ के अनुसार अलग होती है। मरीज़ की विकृति की गंभीरता के आधार पर, सामाजिक आवश्यकतानुसार, सामाजिक स्थिति, बुनियादी सुविधाओं एवं विशेषज्ञता की उपलब्धता पर निर्भर करती है।

लेखक, पुस्तक में दिए गए किसी भी सुझाव से की गई कोई भी चिकित्सा प्रक्रिया एवं अनहोनी के लिए जिम्मेदार नहीं है।

FOR FREE DISTRIBUTION

Printed By:
Inter Graphic Reproductions Pvt. Ltd.

कटा हुआ होंठ और तालू

डॉ. ओम प्रकाश खरबंदा
प्रमुख, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सी.डी.ई.आर.)
आचार्य एवं विभाग अध्यक्ष, ओर्थोडॉटिक्स विभाग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (आ.भा.आ.सं.)
अंसारी नगर, नई दिल्ली- 110029, भारत

प्रस्तावना

यह पुस्तिका उन सभी बच्चों के कल्याण के लिए समर्पित है, जो कटे हुए होंठ और तालू के साथ जन्म लेते हैं। कटे हुए होंठ और तालू के साथ पैदा हुए बच्चे को जिंदगी के हर पडाव पर समझौता करना पडता है। कटे हुए होंठ और तालू के कारण से हुऐ चेहरे की विरूपता, अनुचित भाषा तथा उच्चारण की समस्याओं की वजहों से यह बच्चे कम आत्मविश्वास से प्रभावित होते हैं। इनको कान एवं छाती में अकसर संक्रमण से जूझना पडता है।

अगर इन बच्चों को सही उपचार और सलाह दी जाए तो ये सामान्य जीवन व्यतीत कर सकते हैं। इनका इलाज जन्म से लेकर व्यस्कता तक चलता है। ऐसे बच्चों के उपचार के लिए कई विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है - जो एक दूसरे से विचार-विमर्श करके इनका सही इलाज करते है। बच्चे की उम्र के अनुसार, अलग-अलग विशेषज्ञ की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

इस पुस्तक की आवश्यकता इसलिए समझी गई कि - इस जन्मजात दोष के बारे में रोगी तथा माता-पिता को जानकारी हो। पुस्तिका का एक मुख्य उद्देश्य यह भी है कि माता-पिता सही समय पर, उचित विशेषज्ञ से अपने बच्चे के लिए परामर्श एवं इलाज ले सकें।

इस पुस्तिका का अंग्रेजी संस्करण 2010 में श्री महेश रामनाथन (एक क्लैफ्ट मरीज के एक अभिभावक पिता जिन्होंने बुकलेट की छपाई की लागत उठायी) के सहयोग से रिलीज किया गया था ताकि जन्म के समय व्यापक क्लीफ केयर की पूरी जानकारी रोगी के माता-पिता को दी जा सके है।

इस पुस्तिका को क्लैफ्ट देखभाल में अपनाने के लिए, मैं भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) का आभारी हूँ।

यह पुस्तिका संस्करण वास्तविक जीवन परिदृश्यों ओर तस्वीरों के माध्यम से रोगी को अनुकूल करती है। साथ ही साथ, यह भारतीय सामाजिक-आर्थिक और जनसंख्यिकिय परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए व्यापक जानकारी प्रदान करने के इरादे से लिखी गयी है।

मुझे आशा है कि इस पुस्तिका में प्रदान की गई पद्धति, दृष्टिकोण और जानकारी रोगियों और उनके माता-पिता के लिए शैक्षिक रूप से पुरस्कृत होगी।

ओ. पी. खरबंदा

सत्यमेव जयते

प्रोफेसर (डा.) बलराम भार्गव, पदम श्री
एमडी, डीएम, एफआरसीपी (जी.), एफआरसीपी (ई.), एफएसीसी,
एफएएचए, एफएएमएस, एफएनएएस, एफएएससी, एफ.एन.ए., डी.एस.सी.
सचिव, भारत सरकार
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं
महानिदेशक, आई सी एम आर

Prof. (Dr.) Balram Bhargava, Padma Shri
MD, DM, FRCP (Glasg.), FRCP (Edin.),
FACC, FAHA, FAMS, FNASc, FASc, FNA, DSc
Secretary to the Government of India
Department of Health Research
Ministry of Health & Family Welfare &
Director-General, ICMR

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार
वी. रामलिंगस्वामी भवन, अंसारी नगर
नई दिल्ली - 110 029

Indian Council of Medical Research
Department of Health Research
Ministry of Health & Family Welfare
Government of India
V. Ramalingaswami Bhawan, Ansari Nagar
New Delhi - 110 029

प्रस्तावना

यह सूचना पुस्तिका प्रोफेसर ओम प्रकाश खरबंदा द्वारा क्लेफ्ट केयर में कई दशकों की विशेषता से समर्थित अथक प्रयासों का प्रतिफल है। यह सूचना पुस्तिका देश में क्लेफ्ट केयर के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) के उद्देश्य के अनुरूप है। देश भर में चल रहे कटे होंठ और तालू पर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद टास्कफोर्स परियोजना उसी का प्रमाण है। एक दशक से चल रहे इस अध्ययन के शोध निष्कर्ष संबंधित हितधारकों को आशाजनक नतीजे प्रदान कर सकते हैं।

इस पुस्तिका में क्लेफ्ट रोगियों की, उनकी देखभाल करने वाले व्यक्तियों और जनता को क्लेफ्ट के विभिन्न पहलुओं के विषय में जानकारी दी गई है। यह पुस्तिका पाठकों की आम चिंताओं, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों को तथा वर्तमान चिकित्सा विधि के बारे में भी सूचित करती है।

इस पुस्तिका में पाठकों को तस्वीरों, रेखा-चित्रों और तालिकाओं के माध्यम से क्लेफ्ट होंठ और तालू के विषय में समझने, चिकित्सा के विभिन्न चरणों के विषय में विस्तार से समझाया गया है।

जनता को सशक्त बनाने के लिए सक्रिय उपायों को कम नहीं किया जा सकता है, विशेष रूप से कटे होंठ और तालू जैसी जटिल इकाई के क्षेत्र में। यह पुस्तिका संक्षिप्त और स्पष्ट तरीके से देश भर में क्लेफ्ट केंद्रों पर जाने वाले चिंतित माता-पिता को नवीनतम जानकारी प्रदान करती है।

बलराम भार्गव

(बलराम भार्गव)

Tele.: 26588204, 26589620, Fax (Off.) : 91-11-26588662, E-mail: secy-dg@icmr.gov.in

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029, भारत

All India Institute of Medical Sciences
Ansari Nagar, New Delhi-110029, India

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्

दूरभाष/Phones :(का./Off.): +91-11-26588000, 26594800, 26594805
फैक्स सं./Fax No.: +91-11-26588663, 26588641
Phone (नि./ Res.) +91-11-26594500
ई–मेल/E-mail : director.aiims@gmail.com, director@aiims.ac.in

आचार्य रणदीप गुलेरिया
निदेशक

PROF. RANDEEP GULERIA
MD, DM (Pulmonary Medicine), FAMS, FIMSA
DIRECTOR

दिनांकः 09 अक्तूबर 2019

संदेश

हर साल 35000 बच्चे कटे होंठ और तालू के साथ भारत में पैदा होते है। बढती जनसंखया में यह आंकड़ा राष्ट्र के स्वास्थ्य संरचना पर सामाजिक और आर्थिक प्रभाव डालता है। इन्ही असंक्रामक चिकित्साओं के बढते बोझ को कम करने और भविष्य में अंकुश लगाने के लिए लगातार अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। रोगी और उनकी देखभाल करने वालो को सही जानकारी प्रदान करने और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में यह एक प्रारंभिक कदम है।

क्लेफ्ट की सम्पूर्ण चिकित्सा में विभिन्न विशेषज्ञों का योगदान रहता है जिसको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों की इस टीम में ऑर्थोडॉंटिस्ट क्लैफ्ट सर्जन एवं बाल रोग विशेषज्ञ भाषा और कान, नाक, गला (ई.एन.टी.) सर्जन एवं मौखिक और मैक्सिलोफेशियल सर्जन एवं प्लास्टिक सर्जन एवं क्लीनिकल मनोवैज्ञानिक एवं नैदानिक आनुवांशिकीविद् विशेषज्ञ नर्स और संबंधित क्षेत्रों के विश्षज्ञ रहते हैं।

यह पुस्तिका लेखक द्वारा क्लेफ्ट जैसे जटिल क्रानियोफेशियल विसंगति से संबंधित जानकारी एक सही, संक्षिप्त और रोगी-अनुकूलक तरीके से देने का अनुकरणीय प्रयास है। स्थानीय रूप से स्वीकृत भाषा में जानकारी देने का प्रयास सराहनीय है। चित्रमय निरूपण और सरल पाठ्य सामग्री माता-पिता / देखभाल करने वालों के लिए एक शक्तिशाली आयुध है जो इस तरह की विसंगति के बारे में कोई जानकारी या पृष्ठभूमि नहीं रखतें। आम जनता को योग्य जानकारी के साथ सशक्त बनाकर इस तरह के बच्चों के जन्म से जुडे कलंक को समाप्त करने की आवश्यकता है।

मैं लेखक और उनके अंतःविषय क्लेफ्ट केयर टीम को उनके कटे होंठ और तालू के साथ पैदा हुए बच्चों और उनके परिवार वालों के लिए स्वस्थ और मुस्कान प्रदान करने के प्रयासों में सफलता प्राप्त हो ऐसी कामना करता हूँ।

र गुलेरिया
9/10/19

(आचार्य रणदीप गुलेरिया)

निर्देशिका

		पृष्ठ संख्या
1.	चलो हम कटे हुए होंठ और तालू के बच्चें के दुनिया में झांके	1
2.	कटे हुए होंठ और तालू के प्रकार	3
3.	डरो नहीं माँ, दुनिया में और भी बच्चे हैं जो इस प्रकार की विरूपता के साथ जन्म लेते हैं	6
4.	जब मैं तुम्हारे अंदर था, क्या गलत हुआ माँ?	7
5.	मुझे मत त्यागो!!!	8
6.	माता-पिता के लिए आवश्यक निर्देश	10
7.	क्लैफ्ट केयर से संबंधित विशेषज्ञ एवं उपचार अनुसूची	17

मल्टीसेन्ट्रिक इन्डीक्लैफ्ट टास्कफॉर्स प्रोजेक्ट

भारत में कटे होंठ और तालू विसंगति के अनुसंधान को भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.) का गहन समर्थन दिया गया है। यह दशक लंबा प्रयास 2010 में आरम्भ हुआ जिसमें पूर्व-प्रायोगिक (2010-2012) और प्रायोगिक अध्ययन (2012-2014) आयोजित किया गया परिणाम स्वरूप एक व्यापक "IndiCleft" उपकरण बना जो नैदानिक प्रोफाइल और कटे होंठ एवं तालू संबंधित विषयों के उपचार की स्थिति दर्ज करने के लिए बनाई गयी थी।

उत्तर भारत में उच्च मात्रा के क्लैफ्ट केंद्र जैसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली, सफदरजंग अस्पताल और मेदांता द मेडिसिटी ने परियोजना के प्रायोगिक चरण में भाग लिया। यह निष्कर्ष निकाला गया कि क्लैफ्ट विसंगति के साथ पैदा हुए व्यक्तियों की संख्या विशाल थी और उपचार के वितरण की रसद जटिल थी। लगभग 50% प्रतिभागियों को जटिल और एकाधिक उपचार की आवश्यकता थी। बहु-विषयक प्रणाली को तैयार करने और विशेषज्ञों द्वारा गुणवत्ता देखभाल के वितरण में सुधार करने की तत्काल आवश्यकता थी। बहु-विषयक प्रणाली को तैयार करने और विशेषज्ञों द्वारा गुणवत्ता देखभाल के वितरण में सुधार करने की तत्काल आवश्यकता थी।

परियोजना का बहु-केंद्रिक चरण 2017 में शुरू किया गया था और इसकी 3 वर्षो (2017-2020) की अवधि है। देश के विभिन्न भागों से उच्च संख्या के क्लैफ्ट केन्द्रो को वर्तमान चरण में सख्त मानदंड के आधार पर चुना गया। अनुवंशिका जांच और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन कलेफ्ट देखभाल के महत्वपूर्ण भाग है और इसी कारण इनको इस टास्कफोर्स परियोजना के अन्तगत जोड़ा गया।

प्रत्येक केंद्र में बहु-विषयक दल में प्लास्टिक सर्जरी, आर्थोडोंटिक्स, कान, नाक, गला (ई.एन.टी.) अनुवंशिक विज्ञान और स्पीच के क्षेत्रों से विशेषज्ञ शामिल हैं। इसके अलावा, अध्ययन विषय व्यापक उपकरण के लिए प्रासंगिक तथ्य को पूरा करने के लिए सभी विशेषज्ञों द्वारा जांच की गई थी। एक उल्लेख उपलब्धि IndiCleft उपकरण का डिजिटलीकरण है। यह कटे होंठ और तालू के विषयों पर डेटाबेस का एक महत्वपूर्ण भंडार है। यह माता-पिता और ऐसे व्यक्तियों की देखभाल करने वालों के लिए बुनियादी जानकारी का एक प्राथमिक श्रोत है। परियोजना के अंतर्गत विकसित वेब पोर्टल पर इन्फो-ग्राफिक्स, वीडियो, रोगी फोटोग्राफ (उपचार से पहले और उपचार के बाद) एवं पाठय सामग्री को शामिल किया गया है।

http://indicleft.icmr.org.in

कटे हुए होंठ और तालू के उपचार सम्बंधित जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट पर जाए

अध्याय - 1

चलो हम कटे हुए होंठ और तालू के बच्चें के दुनिया में झांके

कटा हुआ होंठ और तालू क्या होता है?

"क्लेफ़्ट" का मतलब "अंतर" है। (कटा हुआ होंठ और/अथवा तालू)

क्लेफ़्ट का मतलब दो हिस्सों के बीच में विभाजन। यह विभाजन कई बार ऊपरी जबडे की हड्डियों या ऊपरी मसूडे में भी हो सकता हैं। यदि सिर्फ तालू में क्लेफ़्ट/छेद हो तो उसे कटा हुआ तालू कहते है। कटे होंठ और तालू की अवस्था तब होती है जब होंठो के दोनों भाग और तालू के दोनों भाग आपस में पूरी तरह नहीं मिलते। गर्भावस्था में, होंठ और तालू अलग समय पर बनते हैं। संभव है कि गर्भवती महिला में लगभग इस समय बच्चे का सिर्फ कटा होंठ होगा अथवा सिर्फ कटा तालू होगा। कभी कभार यह दोनों विकृतिया साथ में हो सकती हैं जिसकी वजह से बच्चे का होंठ और तालू दोनों कटे होते है।

क्लेफ़्ट का आकार छोटा एवं होंठ तक ही सीमित हो सकता है (चित्र 1.1)। कभी कभार आकार बडा होने के कारण यह नाक तक फैला हुआ हो सकता है। (चित्र 1.2) कटा हुआ होंठ और तालू एक तरफा या दो तरफा हो सकता है।

चित्र 1.1 माइक्रोफॉर्म प्रकार का कटा हुआ होंठ

चित्र 1.2 कटे होंठ के साथ बच्चा जिसमें क्लैफ्ट-होंठ, ऊपरी जबडे के दाँत, तालू एवं नाक तक फैला हुआ है

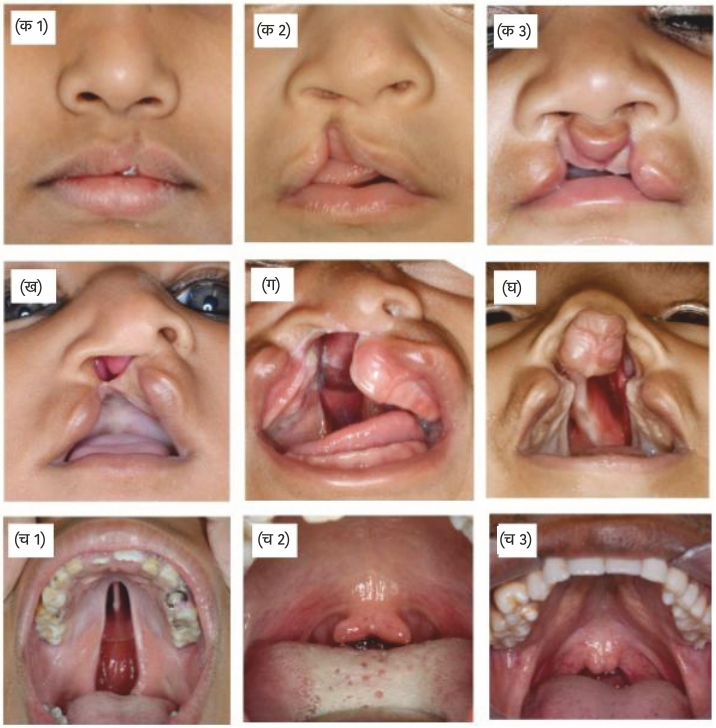

चित्र 1.3 अन्य प्रकार के क्लैफ्ट(क1,क2,क3) कटे हुए होंठ के प्रकार (क1) माइक्रोफोर्म प्रकार का कटा हुआ होंठ (क2) एक तरफा कटा हुआ होंठ(क3) द्विपक्षीय कटा हुआ होंठ (ख) कटा हुआ होंठ और एलवीयोलस (ग) एक तरफा पूरा कटा हुआ होंठ और तालू (घ) द्विपक्षीय-पूरा कटा हुआ होंठ और तालू (च1,च2,च3) कटे हुए तालू के प्रकार (च1) सिर्फ कटा हुआ तालू (च2)सिर्फ तालू के पिछले हिस्से का क्लैफ्ट (च3) सबम्यूकस प्रकार का क्लैफ्ट

अध्याय - 2

कटे होंठ और तालू के प्रकार

1. कटा होंठ:

कई बार, चेहरे के सभी हिस्से पूरी तरह नहीं बढ पाते और मुख के बीच में एक दूसरे से नही मिल पाते। इसके कारण होंठों के बीच जगह रह जाती है, जो कटे हुए होंठ की तरह दिखती है। (चित्र 2.1)

चित्र 2.1 कटा होंठ

2. कटा होंठ और तालू:

जब होंठ एवं तालू पूरी तरह से कटा हुआ होता है, तब होंठ, जबडे की हड्डियों (जहाँ दाँत की कलिया छिपी होती हैं) एवं तालू के हिस्सों के बीच मिलाव नही होता। (चित्र 2.2 और 2.3)

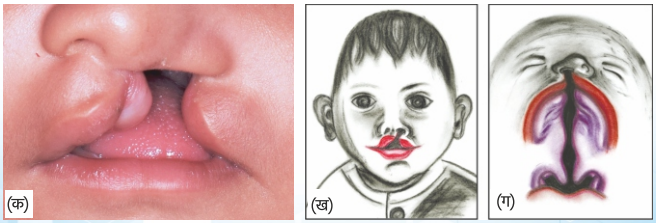

चित्र 2.2 पूरा कटा हुआ होंठ और तालू

चित्र 2.3 पूरा कटा हुआ होंठ और तालू

3. दोतरफा/एकतरफा कटा हुआ होंठ और तालू:

यदि ऊपरी होंठ, जो तीन भाग से बनता हैं - एक मध्य हिस्सा और दो पार्श्व पक्ष के हिस्से। यदि यह तीन भाग आपस में नहीं मिलते, तो यह क्लैफ्ट दोंनो तरफ का होता है। जिसे द्विपक्षीय कहा जाता है और यह दोष एक तरफा भी हो सकता है जिसे एकतरफा कहा जाता है। (चित्र 2.3, 2.4 और 2.5)

(क) (ख)

चित्र 2.4 द्विपक्षीय कटा हुआ होंठ और तालू

चित्र 2.5 द्विपक्षीय कटा हुआ होंठ और तालू जो हार्ड एवं सोफ्ट पैलेट में है

4. कटा हुआ तालू :

कभी-कभी क्लैफ्ट सिर्फ तालू के हिस्से तक सीमित रहता है और बाकि चेहरा एवं मुख सामान्य दिखता है। (चित्र 2.6)

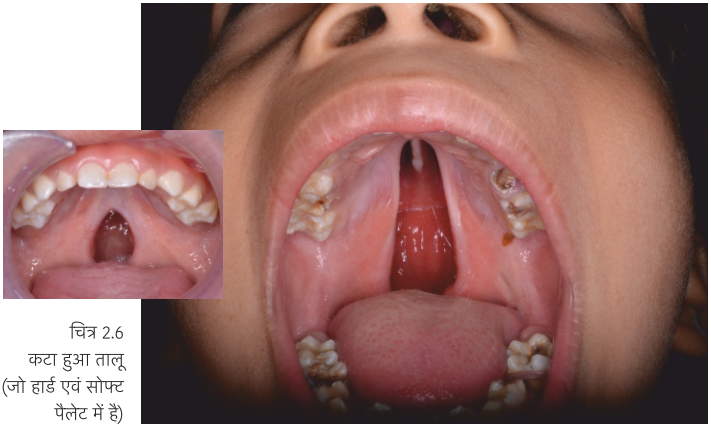

चित्र 2.6
कटा हुआ तालू
(जो हार्ड एवं सोफ्ट
पैलेट में है)

5. कटे हुए होंठ एवं तालू से संबंधित समस्याएं :

- दूध पिलाने की समस्या, बच्चे का स्तनपान नहीं कर पाना
- दूध का नाक द्वारा निकल जाना जिसके कारण छाती में संक्रमण की समस्या होना
- वज़न न बढ पाना
- बोलने में कठिनाई
- कान में सक्रमण की समस्या
- दाँतों का कम या ज्यादा होना तथा सही प्रकार से ना बनना
- टेढे-मेढे दाँत
- नाक के आकार में परिवर्तन

अध्याय - 3

डरो नहीं माँ, दुनिया में और भी बच्चे हैं जो इस प्रकार की विरूपता के साथ जन्म लेते है

कटा हुआ होंठ और तालू किस संख्या में लोगों में पाया जाता है?

याद रखें:

आप अकेले ऐसे माता-पिता नहीं है जिसके बच्चें का होंठ/तालू कटा हुआ है।

भारत में हर 1000 जन्मे हुए बच्चों में से एक ऐसा बच्चा जन्म लेता है जिसको यह विकृति होती है। बहुत से ऐसे बच्चों को कोई और रोग नहीं होता और वह सामान्य बच्चों की तरह होते हैं। हांलाकि कई बच्चों में सिंड्रोमिक कटा हुआ होंठ/तालू भी हो सकता है।

कटा हुआ होंठ/तालू पुरूषों में अधिकतम देखा गया है और कटा तालू महिलाओं में ज्यादातर पाया गया है। कटा होंठ और तालू की पारिवारिक प्रवृत्ति भी हो सकती है।

मुझे क्यों चुना गया है?

भगवान ने मुझे ही क्यों चुना?

क्यों मेरे बच्चे का होंठ और तालू कटा हुआ है?

जब बच्चा माँ के गर्भ में बढ रहा होता है तब उसकी खोपडी, चेहरा और सिर धीरे-धीरे आकार में बढने लगता है। यह भाग गर्भ के पहले कुछ हफ्तों के दौरान ही बन जाता है।यदि बच्चे के जन्म लेने से पहले,यह भाग आपस में पूरी तरह मिल नहीं पाते, तो कटा हुआ होंठ/तालू इन बच्चों में पाया जाता है।

अध्याय - 4

जब मैं तुम्हारे अंदर था, क्या गलत हुआ माँ?

यह विरूपता कुछ बच्चों में ही क्यों है?

इस समस्या का असली कारण अभी तक किसी को नहीं पता। यह विरूपता पारिवारिक हो सकती है। सम्भव है कि यह आनुवांशिक और पर्यावरणीय कारणो के मिलाव से हो सकती है। कुछ पर्यावरणीय कारक जो इस विकृति के खतरों को बढा सकते है:

- गर्भावस्था के दौरान धूम्रपान और शराब का सेवन करना
- गर्भावस्था के दौरान माँ के पौषण में कमी
- विटामिन बी की कमी
- गर्भावस्था में विकिरण से अत्याधिक अनावरण
- गर्भपात की दवाईयों का उपयोग
- उल्टी को नियंत्रित करने वाली दवाईयों का उपयोग

अपना ख्याल रखो माँ जब मैं आपके गर्भ में हूँ - वहाँ एक सुरक्षित दुनिया है !

कटा होंठ और तालू की पारिवारिक प्रवृत्ति भी हो सकती है।

अध्याय - 5

मुझे मत त्यागो!

भारतीय सामाजिक परिदृश्य

भारत को धार्मिक मान्यताओं की भूमि कहा जाता है। यहाँ सभी प्रकार के रोगों को किसी अंधविश्वास या फिर किसी मिथकों से जोडा जाता है। ऐसे समाज में जो बच्चा चेहरे की विरूपता के साथ जन्म लेता है, उसे अपशकुन माना जाता है।

ऐसे बच्चे की माँ को अकसर दोषी ठहराया जाता है और समस्या और भी गहरी हो जाती है अगर ऐसी बच्ची एक लडकी हो। यह ग्रामीण परिदृश्य कटे होंठ और तालू से जुडी अज्ञानता की वजह से है।

कई माता-पिता कटे हुए होंठ और तालू के साथ पैदा हुए बच्चे का खुलासा नहीं करते। लेकिन शहरी परिदृश्य थोडा बेहतर है- यहाँ शिक्षित और संम्पन्न परिवारो के साथ ऐसा नहीं हैं। वह शुरू से ही डॉक्टरों व शल्य चिकित्सकों से इस बारे में सम्पर्क करना शुरू कर देते है। वह बच्चें की लम्बी उम्र, स्वास्थ्य और सुरक्षा के बारे में जानकारी भी एकत्र करना शुरू कर देते हैं। इसके बावजूद भी उनको बच्चे के बेहतर परिणाम के लिए सही मार्गदर्शन की आवश्यकता पडती है।

दुर्भाग्य से भारत में इस विषय पर थोडी ही जानकारी उपलब्ध है। प्रिंट या मीडिया के रूप में ना ही कोई हेल्प लाईन, ना ही प्रशिक्षित सामाजिक कार्यकर्ता या विशेषज्ञ नर्स हैं- जो कि ऐसे परिवार को संभाल सके। भारतीय परिस्थिति में अत्यन्त ज़रूरी है कि हम लोगों में चिकित्सा एवं निम्नलिखित के बारे में जागरूकता लाएँ:

- कटे होंठ/तालू से पैदा हुए बच्चे को किन-किन समस्याओं से गुज़रना पडता है
- कटे होंठ/तालू की शल्य क्रिया कब आरम्भ कर सकते हैं?
- क्या यह बच्चे अन्य बच्चो के समान बढ सकते हैं?
- क्या यह बच्चे अन्य बच्चो के समान खान-पान और भाषण कर पाएँगे?

ऐसे बच्चों का इलाज जन्म से लेकर व्यस्कता तक चलता है। कई विशेषज्ञ इनके इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आइये हम इन विशेषज्ञों एवं क्लैफ्ट बच्चों में इनके योगदान के बारे में जाने।

यह मत भूलिए कि, बेहतर परिणाम के लिए आवश्यक है कि इन बच्चों का इलाज खास कटे होंठ/तालू विशेषज्ञ केंद्रों में करवाएं, जहाँ इससे संम्बन्धित विशेषज्ञ एकत्र होकर बच्चे को देखे। इसका अर्थ है कि बच्चे के इलाज के अलग-अलग पडाव पर महत्वपूर्ण विशेषज्ञ मिलकर उसके इलाज की योजना आपस में परामर्श करके बनाऐगें। विशेषज्ञ तय किये गये उपचार को स्वतंत्र रूप से कर सकते हैं, लेकिन कुछ समय बाद उनको मिलकर इलाज के परिणाम का मूल्यांकन करना चाहिए। यदि जरूरत हो तो, वह आपस में मिलकर आगे के इलाज पर चर्चा कर सकते हैं।

अध्याय - 6

माता-पिता के लिए आवश्यक निर्देश

समय-समय पर इलाज के बारे में सही विशेषज्ञ से सलाह लेना आवश्यक है। विशेषज्ञों की ऐसी टीम चुनें जो मिलकर काम करते हो, ज़रूरत पडने पर यह आवश्यक विशेषज्ञों से परामर्श भी दिलवा सकते है। (चित्र 6.1 और 6.2)

चित्र 6.1 महत्वपूर्ण क्लैफ्ट विशेषज्ञों की टीम

क्लैफ्ट केयर से संबंधित उपचार अनुसूची

Treatment Protocol for Comprehensive Cleft Care

Age	0m	3m	6m	9m	1y	2y	3y	4y	5y	6y	7y	8y	9y	10y	11y	12y	13y	14y	15y	16y	17y	18y
फीडिंग प्लेट Palatal obturator/ feeding appliance																						
कटे होंठ की सर्जरी Primary cleft lip surgery																						
तालु का सुधार Palatal Repair																						
त्यंपनोस्टोमय टूब Tympanostomy tube																						
भाषण एवं भाषा रोग चिकित्सा Speech therapy/ pharyngoplasty																						
बोन ग्राफ्टिंग Bone grafting																						
आर्थोडॉटिक Orthodontics																						
आर्थोग्न्थिक सर्जरी या राईनोप्लास्टी Orthognathic surgery/ rhinoplasty																						

m- महीने / months, y- साल /years

चित्र 6.2 क्लैफ्ट केयर के लिए अनुसूची और प्रोटोकॉल

अंत:विषय क्लैफ्ट टीम

अंत:विषय उपचार कटे होंठ/तालू वाले बच्चो के इलाज के लिए सर्वोत्तम है। टीम में विशेषज्ञो की एक बडी संख्या हो सकती है जिनके पास ज्ञान और क्लैफ्ट बच्चों के साथ काम करने का अनुभव होता है। विशेषज्ञो के बीच सहयोग और समझ इन बच्चो को उत्तम उपचार एवं देखभाल प्रदान कर सकती है।

बाल रोग विशेषज्ञ

नवजात बच्चों की देखभाल के विशेषज्ञ को नियोनेटोलोजिस्ट कहा जाता है। हालांकि कई शहरों, कस्बों और गाँव में बाल-चिकित्सक एक नियोनेटोलोजिस्ट के कर्तव्यों का पालन कर सकते है। यह विशेषज्ञ बच्चे की विरूपता को ध्यान में रखते है और नवजात शिशु के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सम्बंधी समस्याओं की जिम्मेदारी उठाते है। वह दिल, फेंफडे तथा शरीर की जांच भी करते हैं ताकि वो यह देख सके कि बच्चे को कटे होंठ और तालू के अलावा ओर कोई समस्या तो नहीं है। वो हृदय विशेषज्ञ या फिर एक आनुवांशिकीविद् से भी राय प्राप्त कर सकते हैं। आपका डॉक्टर बच्चे की नियमित रूप से वज़न एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे।

विशेषज्ञ नर्स

कई केंद्रो में एक विशेषज्ञ नर्स होती है जो उन बच्चों की देखभाल रखने में कुशल होती है जो चेहरे की विरूपता या कटे होंठ/तालू के साथ जन्म लेते हैं। यह नर्स इन बच्चों के माता-पिता को समझाती है कि ऐसे बच्चे को कैसे खिलाया जाए। खान-पान संम्बंधी आवश्यक उपकरणों के बारे में भी यह नर्स विस्तार से समझाती है। सर्जरी से पहले और बाद में वो सर्जनों के साथ इस बारे में बातचीत भी करती है।

क्लैफ्ट सर्जन

क्लैफ्ट सर्जन, कटे होंठ और तालू के साथ पैदा हुए बच्चो की सर्जरी करते हैं। यह सर्जन एक प्लास्टिक सर्जन या मौखिक सर्जन हो सकता है जो इस विरूपता की सर्जरी के विशेष विशेषज्ञ हैं।

- यदि सर्जरी में होंठ और तालू दोनों ही शामिल होते हैं, तो होंठ को संभालने में अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसका पूर्ण आकार में

विकसित होना बाकी रहता है। पहली सर्जरी अक्सर 10 हफ्तें की आयु के आस-पास होती है जो होंठ और जबडे के भाग को सुधारती है।

- कटे होंठ और तालू की सर्जरी बहुत नाजुक है। एक अच्छी सर्जरी वही है जो अच्छा सौंदर्यशास्त्र लेकर आए और जिससे आगे जाकर बोलना गंभीर रूप से प्रभावित नही हो और इस सर्जरी से ऊपरी जबडे के विकास में कम-से-कम रूकावट आनी चाहिए।
- क्लैफ्ट सर्जन कटे तालू के सुधार के लिए, कुछ समय बाद सर्जरी करेगा। कटे तालू की सर्जरी 12 से 18 महीने की आयु के आस-पास होती है।
- हड्डी के ग्राफ्ट की सर्जरी 9 से 11 साल की उम्र में की जाती है। इसके बाद एक और सर्जरी नाक और होंठ के आकार को और बेहतर करने के लिए की जा सकती है।
- जरूरत पडने पर, बोली को साफ एवं भाषण को स्पष्ट करने के लिए सोफ्ट पैलेट की भी सर्जरी की जा सकती है।

क्लीनिकल मनोवैज्ञानिक

क्लीनिकल मनोवैज्ञानिक कटे होंठ और तालू के साथ पैदा हुए बच्चे के माता-पिता को क्लैफ्ट के बारे में समझाते हैं। वो बच्चे को मनोवैज्ञानिक परामर्श देते है साथ ही वह कोई भी कठिनाई पर काबू पाने में बच्चे और उसके परिवार की मदद करते हैं। ऐसे बच्चों को कम आत्मसम्मान और सामाजिक जीवन की समस्याओं से जूझना पडता है। यदि आपको लगता है कि बच्चे एवं परिवार को ऐसे विशेषज्ञ के परामर्श से लाभ होता है, तो उन्हें दिखाने में न हिचकिचाये।

भाषण एवं भाषा रोग विज्ञानी

यह विशेषज्ञ बच्चे को बोलने और भाषा की समस्या को दूर करने में मदद करता है। वह बोली की प्रकृति, गंभीरता और संवाद की गंभीरता का आकलन करेंगें। वह आपकी गंभीरता का विश्लेषण करने के लिए कई परीक्षण करने के लिए कहेंगे। चिकित्सक आपको भाषण एवं बोली को सुधारने के लिए कुछ शब्दों/वाक्यों का अभ्यास करने की सलाह भी दे सकते है।

आडियोलॉजिस्ट और कान,नाक,गला (ई.एन.टी.) सर्जन

आडियोलॉजिस्ट और ई.एन.टी. सर्जन बच्चे की सुनने की समस्याओं को समझने में आपकी मदद करता है।

- बच्चे की सुनवाई की जांच के लिए आडियोलॉजिस्ट को दिखाये और ई.एन.टी. सर्जन से परामर्श करें।
- मध्य कान के लगातार संक्रमण के कारण बच्चे की सुनने की क्षमता कम हो जाती है। इसके कारण बच्चे की भाषा में भी असर दिख सकता है।
- परिणाम हेतु बच्चे में भाषण का अविकास/अनुचित भाषण देखा जाता है- **भाषा का विकास सुनवाई की प्रतिक्रिया पर निर्भर है।**

दंत सर्जन/बाल दंत चिकित्सक

दंत चिकित्सक मुख एवं दांतो के स्वास्थ्य का ख्याल रखता है। वह आपके दंत स्वच्छता और दांतो के खराब होने से रोकने की सलाह देता है। यह विशेषज्ञ समयानुसार दांत के विकास एवं उनके सही जगह पर निकलने पर ध्यान देते हैं। अगर किसी भी प्रकार की असमानता दिखे, तो वह ऑर्थोडॉंटिस्ट के पास जाने का सुझाव देते हैं।

आर्थोडॉटिस्ट

आथोडॉन्टिस्ट वह दंत विशेषज्ञ हैं जो दंत अनियमितताओं की देखभाल करते है और जबडें के विकास पर व्यस्कता तक निगरानी रखते है। वह कटे होंठ और तालू की चिकित्सा करने वाली टीमों में एक टीम लीडर की भूमिका निभाते है और अन्य सभी विशेषज्ञ के साथ आपके बच्चे की समस्या के लिए सेवा समन्वयक भी होते हैं।

आर्थोडॉटिस्ट निम्नलिखित पर विशेष रूप से ध्यानः

सामान्य और असामान्य दाँत का निकलना

- टेढे-मेढे दाँत
- अतिरिक्त दाँत
- दाँत का जबडे में ना होना/निकलना

- दाँतों के आकार और स्वास्थ्य पर नजर रखना
- चेहरे और जबडे के विकास का आकलन
- किसी भी मुख संबन्धित सुधार के लिए आवश्यकता। उदाहरण के लिए, सर्जरी के बाद रह गए छेद को बंद करने के लिए लगाने उतारने वाली प्लेट, ऊपरी जबडे के आकार को बडा करने के लिए उपाय आदि
- टेढे-मेढे दाँत सीधा करने के लिए तार
- मौखिक विशेषज्ञ के साथ सलाह करके आथोडांटिक उपचार एवं हड्डी के ग्राफ्ट की योजना को तय करना
- समय के साथ सीधे किए गए दाँतो में कोई खराबी न हो, इसका ख्याल रखना
- जब बच्चे को जबडे की सेकेंडरी सर्जरी की जरूरत हो तो मौखिक और मैक्सिलोफैशियल सर्जन के साथ दांतो और जबडो का समन्वयन और तैयारी करना
- होंठ,नाक या अन्य कॉस्मेटिक सर्जरी की माध्यमिक सर्जरी के लिए प्लास्टिक सर्जन के साथ समन्वय करना

मौखिक और मैक्सिलोफैशियल सर्जन

मौखिक सर्जन वह विशेषज्ञ है जो जबडे और उनसे सम्बंधित संरचनाओं पर चेहरे या मुख पर सर्जिकल प्रक्रिया करता है।

गंभीर विकास की कमी वाले मामलों में जबडें का संबंध सामंजस्यपूर्ण रूप से आर्थोडॉन्टिक उपचार के साथ संभव नहीं है। यहां मौखिक सर्जन को चेहरे का अच्छा संतुलन प्रदान करने के लिए सर्जरी करनी पडती है। चेहरे पर निशान के गठन से बचने के लिए मुख के अंदर यह प्रक्रियाँए की जाती हैं।

आर्थोग्न्थिक सर्जरी: यह सर्जरी तब की जाती है जब जबडा पूरी तरह विकसित हो जाता है। आर्थोडॉटिक इलाज से पहले या उसके बाद में यह सर्जरी की जाती है, ताकि दाँतो को उपचार के अन्तिम चरण में सही तरह बैठाया जा सके। यह सर्जरी अकसर व्यस्क होने पर ही की जाती है।

प्रोस्थोडॉन्टिस्ट

प्रोस्थोडॉन्टिस्ट एक विशिष्ट दंत चिकित्सक है जो कृत्रिम दांत और जबडे से सम्बन्धित अंग बनाकर दांतो को प्रतिस्थापन करता है।

निम्नलिखित प्रक्रियाएं अक्सर एक प्रोस्थोडोन्टिस्ट या एक दंत विशेषज्ञ द्वारा की जाती हैः

- उन रोगियों के लिए प्लेट बनाकर कटे होंठ/तालू का दोष का पुनर्वास करें जहां सर्जरी से सुधार संभव नहीं है, या सर्जरी के कारण विफल रह जाता है
- गायब दांत/दांतो का डेन्टल इमप्लान्ट एवं अन्य उपचरणों से प्रत्यारोपण
- विकृत दांतो का डेन्टल क्राउन, डेन्टल लेमीनेट अथवा सौन्दर्यशास्त्र संम्बधी फीलिंग जैसे उपचारो से सुधार
- भाषण एवं बोली के सुधार के लिए स्पीच बल्ब नामक विशेष उपकरण बनाना

नैदानिक आनुवांशिकीविद्

नैदानिक आनुवांशिकीविद् वह विशेषज्ञ है जो माता-पिता को यह जानने में मदद करते हैं कि उन्हें कटे होंठ तालू के साथ दूसरा बच्चा होने की संभावना है या नहीं।

अध्याय - 7

क्लैफ्ट केयर से संबंधित विशेषज्ञ एवं उपचार अनुसूची

पहले के कुछ सप्ताह

माता-पिता की प्राथमिक चिंता का विषय: बच्चे को दूध पिलाना

(क)

(ख)

चित्र 7.1 (क) पिलाने के लिए नरम निचोड वाला बोतल, निप्पल का छेद बडा किया जा सकता है, जिससे बच्चे को दूध पीने में आसानी होती है. (ख) कटे होंठ/तालू के साथ बच्चे को दूध पिलाने की सही पोजीशन

कटे होंठ/तालू के साथ जन्में बच्चे को किस प्रकार सरलता से दूध पिलायें ?

- एक नरम बोतल का प्रयोग जिससे आसानी से निचोडा जा सके
- छेद को काफी बडा करके पारंपरिक निप्पल को संशोधित किया जा सकता है ताकि दूध बिना किसी परेशानी से बच्चे के मुख में जा पाये

चित्र 7.2 (क) कटे होंठ/तालू के साथ बच्चे को दूध पिलाने का सही पोजीशन (ख) बच्चे को दूध पिलाने में पालाडी (गहरी चम्मच जैसे) का उपयोग (ग) विशेष प्रकार की दूध की बोतल (घ, ड) फीडिंग प्लेट-कटे होंठ/तालू के साथ हुए बच्चे को दूध पिलाने का विशेष उपकरण (ढ) विशेष प्रकार की बोतल से बच्चे को दूध पिलाना

बच्चे को कैसे दूध पिलाये ?

बच्चों को दूध पिलाने का सही पोजीशन

- माँ को अपने गोद में बच्चे का सिर 45° की स्थिति पर रखकर बच्चे का दूध पिलाना चाहिए ताकि दूध फेफडों में न जाए
- कम मात्रा में बच्चे को दूध पिलाये

● बच्चे को हर बार दूध पिलाने के बाद डकार दिया जाना चाहिए

पालडी नामक उपकरण उपयोगी हो सकते है

इससे बच्चे की कैसे मदद होगी ?

● क्लैफ्ट की वजह से उलटा दबाव नहीं बन पाता है जिसके कारण बच्चे को स्तनपान करने में/चूसने में कठिनाई होती है

● बडे छेद की मदद से, बच्चा बिना किसी जोर से दूध पी पाता है

● बच्चे को दूध पिलाते समय ध्यान दे कि दूध कहीं साँस लेने वाली नली में ना जाये या नाक से बाहर न आये

इस पडाव पर किससे परामर्श लें ?

1. विशेषज्ञ नर्स बच्चे के खान-पान संम्बधित प्रक्रिया में आपकी मदद करेगीं
2. वजन न बढना, छाती में संक्रमण आदि समस्या के लिए बाल-चिकित्सक से संपर्क करें
3. कान के लगातार संक्रमण के लिए ई.एन.टी. सर्जन से परामर्श करें। बच्चे की सुनवाई का परीक्षण एक बार अवश्य करवाएँ।

3 महीने

प्राथमिक कटे होंठ की सर्जरी

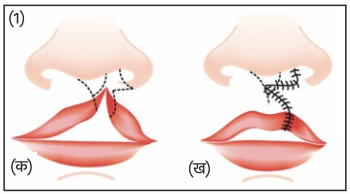

चित्र 7.3
1. (क, ख) होंठ की उपचार/सुधार के लिए प्लास्टिक सर्जरी
2. (क) सर्जरी से पहले
2. (ख) होंठ के उपचार के बाद का चित्र

प्राथमिक सर्जरी का क्या उद्देश्य है ?

- होंठ के बीच के अंतर को बन्द करना। तालू के आगे वाले हिस्से के अंतर को बंद करना

यह सर्जरी कौन करता है ?

- क्लैफ्ट सर्जन

6 महीने - एक साल

क्या बच्चा सही प्रकार सुन सकता है ?

क्या बच्चा बोलना शुरू कर सकता है ?

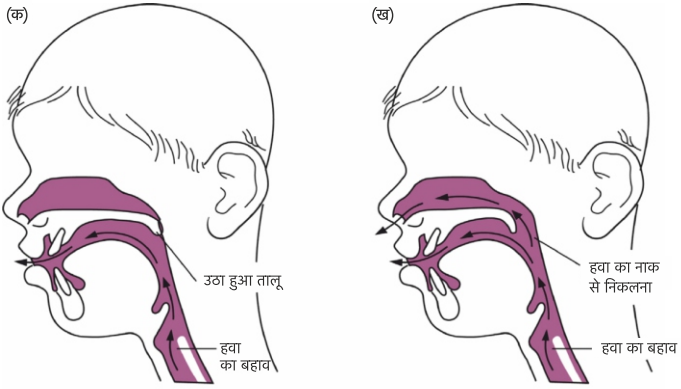

चित्र 7.4 (क) साधारण तालू चलनशील होता है और नाक के क्षेत्र को गले के क्षेत्र से अलग करता है (ख) छोटा तालू होने के कारण हवा नाक के क्षेत्र में चली जाती है,जिसके कारण बोलते वक्त नाक से ध्वनि उत्पन्न होती है

किससे परामर्श करें ?

- ई.एन.टी. सर्जन
- भाषण (वाक्) चिकित्सक

किन - किन बातों का ध्यान दें ?

- गले के संक्रमण
- छाती के संक्रमण
- कान का इन्फैक्शन के साथ सुनने की कमी/परेशानी

9 महीने - एक साल

तालू का सुधार

दूसरी सर्जरी का क्या उद्देश्य है ?

- ताकि तालू के पिछले हिस्से में अन्तर को सोफ्ट पैलेट तक बन्द किया जा सके
- होंठ के आकार को संशोधित करना और मुख के सलकस को और गहरा करना जब ऊपरी होंठ में चलनशीलता नही/कम होती है
- अच्छी तरह से बोलने के लिए, शब्दो के सही उच्चारण के लिए जरूरी है कि ऊपर और नीचे का होंठ सही तरह से मिलें

एक साल - छः साल

क्या बच्चा सही तरह बात कर पाएगा ?

किससे परामर्श करें ?

- भाषण एवं भाषा रोग विज्ञानी

किन बातों पर ध्यान दें ?

- आवाज में नाक की ध्वनि का होना
- भाषण और भाषा की समस्या

किससे परामर्श करें ?

- दंत-चिकित्सक
- आर्थोडॉंटिस्ट

और किन बातों का ध्यान दें

- दूध के दाँतो का निकलना
- मौखिक स्वच्छता, दांतो में कीडा लगना

- दाँत का जबडें में निकलना, या फिर जहाँ पर सर्जरी हुई हो
- भाषण एवं बोली में समस्या
- टेढे-मेढे दाँत
- तरल पदार्थ का नाक से निकलना

6 साल - 9 साल

दाँत टेढे-मेढे न हो इसकी जाँच करना !

भाषण विकास की गुणवत्ता की जाँच !

क्लैष्ट सर्जन द्वारा मूल्यांकन एवं समीक्षा !

किससे सलाह लें ?

निम्न लोगों के साथ लगातार समीक्षा रखना चाहिए:

(क) भाषण एवं भाषा रोग विज्ञानी

(ख) क्लैष्ट सर्जन

(ग) आर्थोडॉटिस्ट

चित्र 7.5 (क1, क2, क3) कटे होंठ और तालू के साथ एक जवान लड़की जिसमें टेढे-मेढे दांत है (ख1, ख2) आर्थोडॉटिक उपकरण (NiTi Palatal Expander) से दांतो को सही स्थान पर लाया जा सकता है (ग1, ग2, ग3) आर्थोडॉटिक चिकित्सा एवं अनुपस्थित दांतो का कृत्रिम दांतो से प्रतिस्थापित करने के बाद

इस पडाव में किन-किन बातों पर ध्यान देना चाहिए ?

- क्लैफ्ट के क्षेत्र में दाँत का निकलना
- ऊपरी जबडे के विकास में सर्जरी का प्रभाव देखना
- दाँत का रोटेशन/अनुपस्थित पक्के दाँत
- जबडे का सामान्य तरह से संचलन/चेहरे की विषमता
- दाँत का आगे या पीछे निकलना
- तरल पदार्थ का मुँह के द्वारा जाकर नाक से निकलना

9 साल - 12 साल

भाषण में सुधार हुआ कि नहीं ?

क्या तरल पदार्थ मुँह से या नाक के द्वारा निकलता है कि नही ?

अगर हाँ !

किससे सलाह ले ?

- प्लास्टिक सर्जन/मौखिक और मैक्सिलोफैशियल सर्जन

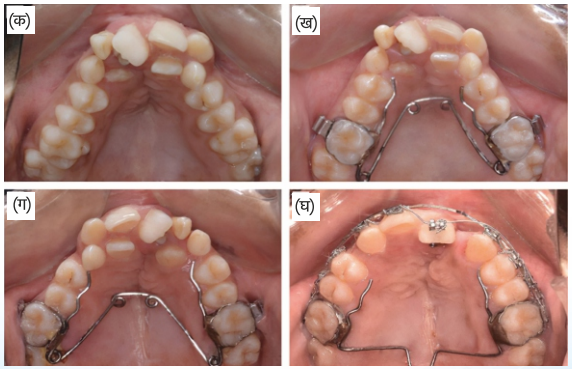

चित्र 7.6 (क) तालू में सर्जरी के कारण स्कारिंग हो जाती है जिसके कारण ऊपरी जबडा संकीर्ण हो जाता है जिसको आर्थोडॉटिक्स उपकरण के साथ ठीक किया जाता है (एक्सपैन्शन) (ख) एक्सपैन्शन के बाद (ग),(घ) टेढे-मेढे दांतो को आर्थोडॉटिक उपकरणों द्वारा सीधा किया जा सकता है।

इसकी क्या जरूरत है ?

- बच्चे को बोन ग्राफ्टिंग के लिए तैयार करना
- दूसरी ग्राफ्टिंग की जाती है ताकि होंठ के बीच वाले दोष को भरा जा सके
- इसकी जरूरत जबडे के दो हिस्सों को एक बनाने के साथ - साथ, ऊपरी केनाईन दांत को आराम से जबडे में निकलने में सहायक होती है
- नाक और मुँह के बीच किसी प्रकार के संपर्क को बंद करने के लिए

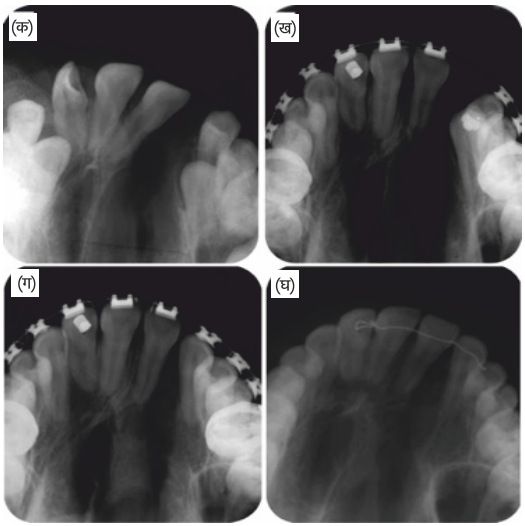

चित्र 7.7 (क) ऊपरी जबडे के एक्स-रे में हड्डी में दोष को दिखाता है (ख) आर्थोडॉटिक उपचार के बाद बोन ग्राफ्ट के लिए तैयार ऊपरी जबडा (ग) दोष को हड्डी (बोन ग्राफ्ट) से भर देने के बाद (घ) तार के हटने के बाद एवं आर्थोडॉटिक उपचार की समाप्ति पर

7 साल - 14 साल

किन बातों का ध्यान रखें।

(क) मुँह में दांतो का गलत जगह पर निकलना

(ख) मुँह में ज्यादा/कम दाँत होना

(ग) ऊपरी जबडे का कम चैडा होना

(घ) टेढे-मेढे ऊपरी और नीचे वाले दाँत (क्रोस बाइट)

किससे सलाह करें ?

आर्थोडॉंटिस्ट

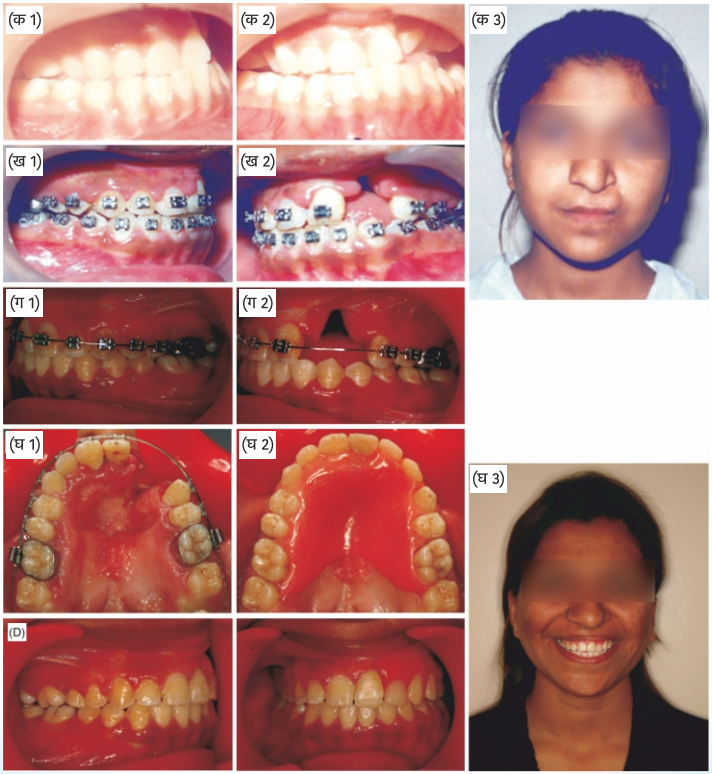

चित्र 7.8 (क 1, क 2, क 3) इलाज से पहले: युवा लडकी में छोटा विकसित ऊपरी जबडा और दांतो का ना होना (ख 1, ख 2) आर्थोडॉंटिक इलाज के दौरान (ग 1, ग 2) आर्थोडॉंटिक इलाज पूरा होने पर (घ 1, घ 2 , घ 3) तार के निकलने के बाद, कृत्रिम दाँत की जगह पर नकली जबडे प्रतिस्थापित करना। एक खुश पैशेन्ट

इसका क्या उद्देश्य है ?

- दाँतो की अनियमितताओं को सही करने के लिए
- जबडे की हड्डियाँ सही ढंग से मिलने में मदद करने के लिए
- अच्छी मुस्कान और संतुलित चेहरा पाने के लिए

चित्र 7.9 (क 1, क 2, क 3) द्विपक्षीय कटे होंठ और तालू के साथ एक जवान लडका जिसमें टेढे-मेढे दांत है (ख1, ख2, ख3) आर्थोडॉटिक चिकित्सा एवं अनुपस्थित दांतो का कृत्रिम दांतो से प्रतिस्थापित करने के बाद

18 साल या उससे ऊपर

निशान संशोधन/राईनोप्लास्टी (नाक की आकृति का सुधार)

कृत्रिम दाँत का पुनः रोपण

किससे सलाह करें ?

- आर्थोडॉटिस्ट
- प्रोस्थोडॉटिस्ट
- प्लास्टिक शल्यचिकित्सक

जाँच करें कि चेहरे के संतुलन को दांतो को तार से या सर्जरी के द्वारा ठीक किया जा सकता है कि नहीं। अगर सर्जरी की आवश्यकता है तो, आर्थोडॉटिस्ट, एवं मौखिक और मैक्सिलोफैशियल सर्जन एवं प्लास्टिक सर्जन से संयुक्त परामर्श करें।

इसका क्या उद्देश्य है ?

- ऊपरी एवं निचले जबडे में सामंजस्यः आर्थोडॉन्टिस्ट द्वारा आर्थोगैथिक सर्जरी

के उपचार से यह किया जा सकता है

- कृत्रिम दांतो का पुनर्निवेशनः प्रोस्थोडॉन्टिस्ट द्वारा गायब दांतों का पुनर्वास किया जा सकता है
- राइनोप्लास्टी (नाक की आकृति का सुधार): प्लास्टिक सर्जरी द्वारा नाक के आकार में सुधार लाया जा सकता है

चित्र 7.10 कटे होंठ और तालू का रोगी जिसकी होंठ और नाक की सर्जरी से सुधार लाया गया है (क) इलाज से पहले (ख) इलाज के बाद

व्यस्कता एवं विवाह

किससे सलाह करें ?

- नैदानिक आनुवंशिकीविद्

अच्छे परिणाम के लिए निम्नलिखित पर ध्यान दें:

- **वे बच्चे जिनके होंठ/तालू कटे होते है अन्य बच्चों से अलग नहीं होते।**
  वो सामान्य रूप से बढ सकते हैं
- **क्लैफ्ट सर्जन आपका दोस्त है**
  उसे नियमित अंतराल पर दिखाना ना भूलें
  उसे सिर्फ तभी ना दिखाएँ जब आपको सर्जरी की आवश्यकता लगे

- **भाषण एवं भाषा रोग विज्ञानी से परामर्श करें**

  वह भाषण और सुनने की समस्याओं के लिए मार्गदर्शन कर सकते हैं

  6 महीने से लेकर 2 साल तक का समय बोलने के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है

- **आर्थोडॉटिस्ट से परामर्श करें।**

6 साल और उसके ऊपर की आयु के बच्चों के लिए आॅर्थोडाॅटिक परामर्श महत्वपूर्ण है।

यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम एक कटे होंठ और तालू के साथ जन्में बच्चों के जीवन को आर्शीवाद में बदल दें !

कटा हुआ होंठ और तालू

किताब के बारे में

- चलो हम कटे हुए होंठ और तालू के बच्चें के दुनिया में झांके
- कटे हुए होंठ और तालू के प्रकार
- डरो नहीं माँ, दुनिया में और भी बच्चे है जो इस प्रकार की विरूपता के साथ जन्म लेते है
- जब मैं तुम्हारे अंदर था, क्या गलत हुआ माँ ?
- मुझे मत त्यागो!
- माता-पिता के लिए आवश्यक निर्देश
- क्लैफ्ट केयर से संबंधित विशेषज्ञ एवं उपचार अनुसूची

लेखक के बारे में

डॉ ओम प्रकाश खरबंदा, आचार्य और प्रमुख दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (सी.डी.ई.आर.), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली। उनके पास कटे होंठ और तालू और उससे संबंधित विसंगतियों के रोगियों को ऑर्थोडॉंटिक सेवाएं प्रदान करने में 35 साल से अधिक वर्षों का अनुभव है। डॉ खरबंदा ने ब्रिटेन के मैनचेस्टर में प्रतिष्ठित क्लैफ्ट लिप एंड पैलेट सेंटर में ब्रिटिश कॉमनवेल्थ मेडिकल फेलो के रूप में और बाद में अमेरिका और कनाडा में अमेरिकी क्लैफ्ट पलट क्रानियोफेशियल एसोसिएशन के छात्रवृत्तिधारी के रूप में इस क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण लिया है। डॉ खरबंदा ने भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में अंतःविषय कटे हुए होंठ और तालू के बच्चों की देखभाल पर व्याख्यान दिया है। वह अमेरिका के कनेक्टिकट विश्वविद्यालय में ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग में एक विजिटिंग प्रोफेसर रह चुके हैं और सिडनी और पर्थ विश्वविद्यालय के दंत चिकित्सा स्कूलों में इसी क्षमता में सेवा की है।वर्तमान में वह ला ट्रोब विश्वविद्यालय के आर्थोडॉटिक्स विभाग में विजिटिंग प्रोफेसर है। डॉ खरबंदा ने भारत में अंतःविषय कटे हुए होंठ और तालू के बच्चों की देखभाल के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह भारतीय कटे होंठ और तालु संस्थान के अध्यक्ष रह चुके हैं और INDOCLEFTCON 2010 के सभापति। उनकी नेतृत्व में भारत का पहला क्लैफ्ट और क्रानियोफेशियल ऑर्थोडॉन्टिक फैलोशिपष् कार्यक्रम ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग, दंत चिकित्सा शिक्षा एंव अनुसंधान केंद (सी.डी.ई.आर.) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में शुरू किया गया था। डॉ खरबंदा देश भर में चल रहे मल्टीसेंट्रिक इन्डीक्लैफ्ट टास्कफोर्स प्रोजेक्ट के मुख्य जाँचकर्ता हैं और उन्होंने वेब और एंड्रॉइड अनुसंधान पोर्टल INDICLEFT TOOL का 2019 में आई.सी.एम.आर. मुख्यालय, नई दिल्ली में प्रक्षेपण किया।

कटा हुआ होंठ और तालू

किताब के बारे में

- चलो हम कटे हुए होंठ और तालू के बच्चें के दुनिया में झांके
- कटे हुए होंठ और तालू के प्रकार
- डरो नहीं माँ, दुनिया में और भी बच्चे है जो इस प्रकार की विरूपता के साथ जन्म लेते है
- जब मैं तुम्हारे अंदर था, क्या गलत हुआ माँ ?
- मुझे मत त्यागो!
- माता-पिता के लिए आवश्यक निर्देश
- क्लैफ्ट केयर से संबंधित विशेषज्ञ एवं उपचार अनुसूची

डॉ. ओम प्रकाश खरबंदा